दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र , गनीवा में 32 वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति का आयोजन किया गया

## कृषि विज्ञान केंद्र चित्रकूट में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक हुई

# नवीन कार्ययोजना तैयार करने वैज्ञानिकों ने साझा किये सुझाव

**चित्रकूट।** दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र, गनीवा, चित्रकूट में शनिवार को वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 32 वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा किये जाने वाले तकनीकी कार्यों को समिति के सदस्यों के साथ साझा कर उनके सुझावों के साथ जिले में कृषि विकास की नवीन कार्ययोजना तैयार की जाती है। इस बैठक के सदस्य के रूप में जिले के सभी संबंधित विभागों के विभाग प्रमुख, प्रगतिशील किसान सदस्य होते है साथ ही जिले के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य प्रमुख अधिकारी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित होते हैं। बैठक में केंद्र के वैज्ञानिक कमला शंकर शुक्ल के द्वारा प्रस्तावना एवं गत वर्ष का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया साथ ही गत वर्ष समिति के सदस्यों के द्वारा दिए सुझावों के सन्दर्भ में किये गए । तकनीकी कार्यो का क्रियान्वन का विधिवत एवं केंद्र के द्वारा किये गए महत्वपूर्ण कार्यों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रस्तुत किया।

### गोबर उर्वरता के लिये बेहतर

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि अमृतपाल कौर मुख्य विकास अधिकारी चित्रकूट ने कहा कि तालाबों के हितग्राहियो द्वारा मछलीपालन, मोती पालन के परिणामों का प्रदर्शन भी आंकडों के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। सभी को प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के लिए स्वयं से शुरुआत करनी चाहिए, ग्रामसभाओं में संचालित गोशालाओं में उपलब्ध गाय का गोबर कृषक भाई न्यूनतम दर पर वहां से ले सकते हैं जिसका उपयोग खेती के लिए किया जा सकता है जो भूमि की उर्वरता के लिए बेहतर होगी।

### नानाजी ने राष्ट्रोदय को किया साकार

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महत्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलगुरु डॉ.भरत मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रऋषि नाना जी ने कृषि विज्ञान केंद्र के इस सुदूर क्षेत्र में स्थापना किसानो के विकास के लिए ही की थी नानाजी ने ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की परिकल्पना को साकार किया है। राष्ट्र निर्माण की पहली धुरी हमारा अन्नदाता किसान ही है।

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ शिवशंकर सिंह, महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, उप निदेशक कृषि,राजकुमार, तुलसी राम प्रजापति भूमि संरक्षण अधिकारी, डॉ सुभासचन्द्र मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य कु भानु चन्दा, महेंद्रपटेल महिला एवं बालविकास अधिकारी,डॉ अखिलेश जागरे वैज्ञानिक एवं कार्यकारी प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां सतना, अनिल कुमार सिंह निदेशक जन शिक्षण संस्थान , कृषक घनश्याम शुक्ला, लवकुश साहू, संजय सिंह, रामप्रताप सिंह, बिट्टन देवी, फुला देवी सहित केंद्र के वैज्ञानिक, कार्यक र्ता सहित जिले के सभी संबधित विभाग प्रमुख/ प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# कृषि विज्ञान केंद्र चित्रकूट में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

## कृषि विकास की नवीन कार्ययोजना तैयार करने वैज्ञानिकों ने साझा किये सुझाव

■ सक्सेस मीडिया

चित्रकूट। दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र, गनीवा, चित्रकूट में शनिवार को वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 32 वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा किये जाने वाले तकनीकी कार्यों को समिति के सदस्यों के साथ साझा कर उनके सुझावों के साथ जिले में कृषि विकास की नवीन कार्ययोजना तैयार की जाती है। इस बैठक के सदस्य के रूप में जिले के सभी संबंधित विभागों के विभाग प्रमुख, प्रगतिशील किसान सदस्य होते है साथ ही जिले के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य प्रमुख अधिकारी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित होते हैं। बैठक में केंद्र के वैज्ञानिक कमला शंकर शुक्ल के द्वारा प्रस्तावना एवं गत वर्ष का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया साथ ही गत वर्ष समिति के सदस्यों के द्वारा दिए सुझावों के सन्दर्भ में किये गए तकनीकी कार्यों का क्रियान्वन का विधिवत एवं केंद्र के द्वारा किये गए महत्वपूर्ण कार्यों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसके पश्चात केंद्र के सस्य वैज्ञानिक श्री विजय गौतम, मत्स्य एवं मृदा वैज्ञानिक श्री कमलाशंकर शुक्ल, पशु चिकित्सक डॉ दीपेंश भारत मिश्र, प्रसार वैज्ञानिक श्री उत्तम त्रिपाठी, डॉ सतीश पाठक, डॉ मनोज शर्मा के द्वारा आगामी वर्ष 2024 की

प्रगति आख्या का विभागवार प्रस्तुतिकरण किया। जिसमें विषय विशेषज्ञों के द्वारा किये जाने वाले सहभागी पक्षिण, प्रशिक्षण, प्रसार गतिविधियों के बारे में प्रस्तुतिकारण दिया। ततपश्चात चर्चा सत्र में सभी विभाग प्रमुखों के द्वारा अपने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए जिनको केंद्र के कार्यकर्ताओ के द्वारा पंजीकृत किया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राजेंद्र सिंह नेगी द्वारा अगले वर्ष की जाने वाली विशेष प्रयोगों की रुप रेखा सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अमृतपाल कौर मुख्य विकास अधिकारी चित्रकूट ने कहा कि तालाबों के हितग्राहियो द्वारा मछलीपालन, मोती पालन के परिणामों का प्रदर्शन भी आँकड़ों के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। सभी को प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के लिए स्वयं से शुरुआत करनी चाहिए, ग्रामसभाओं में संचालित गोशालाओं में उपलब्ध गाय का गोबर कृषक भाई न्यूनतम दर पर वहाँ से ले सकते हैं जिसका उपयोग खेती के लिए किया जा सकता है जो भूमि की उर्वरता के लिए बेहतर होगी। संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्य अनुकरणीय हैं जहाँ भी प्रशासन के सहयोग की आवश्यकता होगी हम सदैव तत्पर है। डॉ शांतनु दुबे (तकनीकी विशेषज्ञ) निदेशक अटारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि जिले में गठित कृषक उत्पादन संगठन के विकास एवं क्षमतावार्धन करने हेतु नाबार्ड के प्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाए, साथ ही जिले में उपलब्ध वनोपज के प्रसंकरण एवं मूल्यवर्धन के कार्य किये जाने के सुझाव दिया गया साथ ही दुग्ध प्रसंस्करन, जल एवम मृदा संरक्षण एवम हमारे कृषि तकनीकी किसानों को तात्कालिक कितना लाभ देती है एक किसान से दूसरे किसान तक उस तकनीकी की पहुंच कितनी है एवं हमारी तकनीकी से रकबे में बढोत्तरी हो रही है या नही इसका भी आँकलन आवश्यक है। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महत्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलगुरु डॉ.भरत मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रऋषि नाना जी ने कृषि विज्ञान केंद्र के इस सुदूर क्षेत्र में स्थापना किसानो के विकास के लिए ही कि थी नानाजी ने ग्रमोदय से राष्ट्रोदय की परिकल्पना को साकार किया है म्राष्ट्र निर्माण की पहली धुरी हमारा अन्नदाता किसान ही है। कार्यक्रम के अतिथि डॉएन. के. वाजपेयी प्रसार निदेशक कृषि एवम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बाँदा ने कहा की कृषि विज्ञान केंद्र को जैविक खेती करने और किसानो को तरल खाद के उपयोग के लिए प्रेरित करने को कहा साथ ही गौशालाओं में उपलब्ध गोबर को वर्मी कम्पोस्ट बनाने की सलाह दी। कृषि विज्ञान केन्द्रों को बुन्देलखण्ड (स्थानीय एवं परंपरागत) आधिरत किस्मों एवं तकनीकी का उपयोग करना चाहिए जिससे किसानो को अधिक लाभ प्राप्त होगा, दलहन एवं तिलहन आधरित बीज उत्पादन की अधिक आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा हमको किसानो को संसाधन आधारित खेती करने के लिए प्रेरित किया साथ ही सभी विभाग प्रमुखों से मिले सुझावों को केंद्र के कार्यकर्ताओ द्वारा पंजीकृत करने एवं उन पर आवश्यक कार्यवाही करने एवम साथ ही विषमुक्त खेती करने के लिए कहा गया साथ उन्होंने यह भी स्मरण दिलाया कि नाना जी सदैव कहते थे कि स्थानीय समाज की पहल पुरुषार्थ एवं सहभागिता तथा उनकी आवश्यकता के अनुरूप किया गया कार्य ही स्थाई होता है। इस अवसर पर डॉ शिवशंकर सिंह, महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रमोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, उप निदेशक कृषि, श्री राजकुमार, श्री तुलसी राम प्रजापति भूमि संरक्षण अधिकारी, डॉ सुभासचन्द्र मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य कु भानु चन्दा, श्री महेंद्रपटेल महिला एवं बालविकास अधिकारी, डॉ अखिलेश जागरे वैज्ञानिक एवं कार्यकारी प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां सतना, अनिल कुमार सिंह निदेशक जन शिक्षण संस्थान, कृषक घनश्याम शुक्ला, लवकुश साहू, संजय सिंह, रामप्रताप सिंह, बिट्टन देवी, फुला देवी सहित केंद्र के वैज्ञानिक, कार्यकर्त्ता सहित जिले के सभी संबंधित विभाग प्रमुख/ प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# कृषि विकास की नवीन कार्ययोजना तैयार करने वैज्ञानिकों ने साझा किये सुझाव

स्टार समाचार | चित्रकूट

दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र, गनीवा, चित्रकूट में शनिवार को वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा किये जाने वाले तकनीकी कार्यों को समिति के सदस्यों के साथ साझा कर उनके सुझावों के साथ जिले में कृषि विकास की नवीन कार्ययोजना तैयार की जाती है। बैठक के सदस्य के रूप में जिले के सभी संबंधित विभागों के विभाग प्रमुख, प्रगतिशील किसान सदस्य होते है साथ ही जिले के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य प्रमुख अधिकारी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित होते हैं। बैठक में केंद्र के वैज्ञानिक कमला शंकर शुक्ल के द्वारा प्रस्तावना एवं गत वर्ष का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, साथ ही गत वर्ष समिति के सदस्यों के द्वारा दिए सुझावों के सन्दर्भ में किये गए तकनीकी कार्यों का क्रियान्वन का विधिवत एवं केंद्र के द्वारा किये गए महत्वपूर्ण कार्यों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रस्तुत किया।

### हितग्राहियों के परिणाम घोषित करें

कार्यक्रम के अमृतपाल कौर मुख्य विकास अधिकारी चित्रकूट विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद रहे। श्री कौर ने कहा कि तालाबों के हितग्राहियो द्वारा मछलीपालन, मोती पालन के परिणामों का प्रदर्शन भी आँकड़ों के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। सभी को प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के लिए स्वयं से शुरूआत करनी चाहिए, ग्रामसभाओं में संचालित गोशालाओं में उपलब्ध गाय का गोबर कृषक भाई न्यूनतम दर पर वहाँ से ले सकते हैं जिसका उपयोग खेती के लिए किया जा सकता है जो भूमि की उर्वरता के लिए बेहतर होगी।

### यह रहे मौजूद

इस अवसर पर केंद्र के सदस्य वैज्ञानिक विजय गौतम, मत्स्य एवं मृदा वैज्ञानिक कमलाशंकर शुक्ल, पशुचिकित्सक डॉ. दीपेंश भारत मिश्र, प्रसार वैज्ञानिक उत्तम त्रिपाठी, डॉ. सतीश पाठक, डॉ. मनोज शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्रसिंह नेगी, डॉ. शांतनु दुबे (तकनीकी विशेषज्ञ ) निदेशक अटारी, डॉ. एनके वाजपेयी प्रसार निदेशक कृषि एवम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बाँदा, दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन, डॉ. शिवशंकर सिंह, महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, उप निदेशक कृषि राजकुमार, तुलसी राम प्रजापति भूमि संरक्षण अधिकारी, डॉ. सुभासचन्द्र मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य कु. भानु चन्दा, महेंद्र पटेल महिला एवं बालविकास अधिकारी, डॉ. अखिलेश जागरे वैज्ञानिक एवं कार्यकारी प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां सतना, अनिल कुमार सिंह निदेशक जन शिक्षण संस्थान , कृषक घनश्याम शुक्ला, लवकुश साहू, संजय सिंह, रामप्रताप सिंह, बिट्टन देवी, फुला देवी सहित केंद्र के वैज्ञानिक आदि मौजूद रहे।

# किसानों को संसाधन आधारित खेती करने के लिए प्रेरित करें: अभय महाजन

## कृषि विज्ञान केंद्र में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

(आज समाचार सेवा)

चित्रकूट, 19 जनवरी। दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र, गनीवा, चित्रकूट में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 32 वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा किये जाने वाले तकनीकी कार्यों को समिति के सदस्यों के साथ साझा कर उनके सुझावों के साथ जिले में कृषि विकास की नवीन कार्ययोजना तैयार की जाती है। इस बैठक के सदस्य के रूप में जिले के सभी संबंधित विभागों के विभाग प्रमुख, प्रगतिशील किसान सदस्य होते है साथ ही जिले के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य प्रमुख अधिकारी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित होते हैं। बैठक में केंद्र के वैज्ञानिक कमला शंकर शुक्ल के द्वारा प्रस्तावना एवं गत वर्ष का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया साथ ही गत वर्ष समिति के सदस्यों के द्वारा दिए सुझावों के सन्दर्भ में किये गए तकनीकी कार्यो का क्रियान्वन का विधिवत एवं केंद्र के द्वारा किये गए महत्वपूर्ण कार्यो को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसके पश्चात केंद्र के सस्य वैज्ञानिक विजय गौतम, मत्स्य एवं मृदा वैज्ञानिक कमलाशंकर शुक्ल, पशु चिकित्सक डॉ दीपेंश भारत मिश्र, प्रसार वैज्ञानिक उत्तम त्रिपाठी, डॉ सतीश पाठक, डॉ मनोज शर्मा के द्वारा आगामी वर्ष 2024 की प्रगति आख्या का विभागवार प्रस्तुतिकरण किया। जिसमें विषय विशेषज्ञों के द्वारा किये जाने वाले सहभागी परिक्षण, प्रशिक्षण, प्रसार गतिविधियों के बारे में प्रस्तुतिकारण दिया।

डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अमृतपाल कौर मुख्य विकास अधिकारी चित्रकूट ने कहा कि तालाबों के हितग्राहियो द्वारा मछलीपालन, मोती पालन के परिणामों का प्रदर्शन भी आँकड़ों के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। सभी को प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के लिए स्वयं से शुरुआत करनी चाहिए।

डॉ शांतनु दुबे (तकनीकी विशेषज्ञ ) निदेशक अटारी ने अपने वक्तब्य में कहा कि जिले में गठित कृषक उत्पादन संगठन के विकास एवं क्षमतावार्धन करने हेतु नाबार्ड के प्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाए।

कार्यक्रम के अतिथि डॉ एन.के. वाजपेयी प्रसार निदेशक कृषि एवम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बाँदा ने कहा की कृषि विज्ञान केंद्र को जैविक खेती करने और किसानो को तरल खाद के उपयोग के लिए प्रेरित करने को कहा साथ ही गौशालाओं में उपलब्ध गोबर को वर्मी कम्पोस्ट बनाने की सलाह दी।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा हमको किसानों को संसाधन आधारित खेती करने के लिए प्रेरित करना चाहिये। उन्होंने यह भी स्मरण दिलाया कि नाना जी सदैव कहते थे कि स्थानीय समाज की पहल पुरुषार्थ एवं सहभागिता तथा उनकी आवश्यकता के अनुरूप किया गया कार्य ही स्थाई होता है।

बैठक

सीडीओ ने कहा कि मछली पालन, मोती पालन के परिणामों का प्रदर्शन भी आंकड़ों संग प्रस्तुत करना चाहिए

# कृषि विकास की नवीन योजना को सुझाव

चित्रकूट, संवाददाता। दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र गनीवा में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में कृषि विकास की नवीन कार्ययोजना तैयार करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने सुझाव दिए। केंद्र से किए जाने वाले तकनीकी कार्यों को समिति के सदस्यों के साथ साझा कर उनके सुझावों के साथ जिले में कृषि विकास की नवीन कार्ययोजना तैयार की जाती है। सीडीओ अमृतपाल कौर ने कहा कि तालाबों के हितग्राहियों द्वारा मछली पालन, मोती पालन के परिणामों का प्रदर्शन भी आंकड़ों के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। सभी को प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के लिए स्वयं से शुरुआत करने पर जोर दिया। कहा कि ग्राम पंचायतों में संचालित गोशालाओं में उपलब्ध गाय का गोबर कृषक भाई न्यूनतम दर पर वहां से ले सकते हैं। जिसका उपयोग खेती के लिए किया जा सकता है। जिससे भूमि की उर्वरता बेहतर होगी। डॉ शांतनु दुबे तकनीकी विशेषज्ञ निदेशक अटारी ने कहा कि जिले में गठित कृषक उत्पादन संगठन के विकास एवं क्षमतावार्धन के लिए नाबार्ड के प्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाए। उन्होंने जिले में उपलब्ध वनोपज के प्रसंकरण एवं मूल्यवर्धन के कार्य किए जाने का सुझाव दिया।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में विचार-विमर्श करते सदस्य।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डा भरत मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रऋषि नाना जी ने कृषि विज्ञान केंद्र के इस सुदूर क्षेत्र में स्थापना किसानो के विकास के लिए की थी। नानाजी ने ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। डॉ एनके वाजपेयी प्रसार निदेशक कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि बांदा डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन , डॉ शिवशंकर सिंह आदि मौजूद रहे।